

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2011

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-004 : RELIGIONS OF THE WORLD

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Explain the metaphysical theories of religion with special reference to deism, pantheism and theism. 20

OR

What are the five pillars of Islam ? Discuss. 20

2. Describe the Hindu Ethics with special reference to four Ashramas. 20

OR

Explain the Jain Ethics with special reference to 'maha panch vrata'. 20

3. Answer *any two* of the following in about 200 words each.
- (a) Discuss the relation between religion and morality. 10
 - (b) What is the eightfold path of Buddhism ? Discuss. 10
 - (c) Describe the five relationships and their reciprocity as expounded in Confucianism. 10
 - (d) Explain the three different ways of attaining salvation in Hinduism. 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each.
- (a) Explain the beatitudes (Sermon on the mount) by Jesus. 5
 - (b) Discuss the monotheism of Moses. 5
 - (c) Write a short note on Li ' Yi and Ren in Confucianism. 5
 - (d) What is the importance of fire in Zoroastrianism ? 5
 - (e) Explain Ratna-Traya (three jewels) of Jainism. 5
 - (f) Describe the four noble truths of Buddhism. 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each :

- | | |
|--|---|
| (a) Deism | 4 |
| (b) Revelation | 4 |
| (c) Jnana Marga | 4 |
| (d) Amaterasu | 4 |
| (e) Sacraments in Christianity | 4 |
| (f) Digambaras | 4 |
| (g) Puranas | 4 |
| (h) Concept of scapegoat in tribal religions | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

दर्शन शास्त्र (वैकल्पिक)

बी.पी.वाई.-004 : विश्व के धर्म

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. धर्म के तत्वमीमांसीय सिद्धांतों की व्याख्या ईश्वरवाद, देववाद, 20
तथा सर्वेश्वरवाद के विशेष संदर्भ में कीजिए।

अथवा

इस्लाम के पाँच आधार स्तंभों का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

2. चार आश्रम व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में हिन्दू-धर्म के नीति दर्शन 20
का विवरण दीजिए।

अथवा

'महापंचव्रत' के संदर्भ में जैन नीतिदर्शन का वर्णन कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

- (a) धर्म और नैतिकता के सम्बंध को स्पष्ट कीजिए। 10
- (b) बौद्ध-धर्म के अष्टांगिक-मार्ग को समझाइये। 10
- (c) कन्फूसियसवाद में बताए गये पाँच सम्बंधों एवं उनकी पारस्परिकता का वर्णन कीजिए। 10
- (d) हिन्दू धर्म में वर्णित तीन प्रकार के मुक्ति मार्गों का विवरण दीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

- (a) जीसस के द्वारा दिये गये आशीर्वचन (beatitude-Sermon on the mount) का विवरण दीजिए। 5
- (b) मासस (मूसा) के ऐकेश्वरवाद को समझाइये। 5
- (c) कन्फूसियस धर्म के 'ली', 'यी' और 'रे' को संक्षेप में बताइये। 5
- (d) ज़रदुश्त धर्म में अग्नि के महत्त्व को दर्शाइये। 5
- (e) जैनधर्म के त्री-रत्न को स्पष्ट कीजिए। 5
- (f) बौद्धों के चार आर्य सत्यों का उल्लेख कीजिए। 5

5. किन्हीं पाँच पर 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

- | | |
|---------------------------------------|---|
| (a) देववाद (Deism) | 4 |
| (b) प्रकाशना (Revelation) | 4 |
| (c) ज्ञान-मार्ग | 4 |
| (d) अमारतेशू | 4 |
| (e) इसाई धर्म में संस्कार (Sacrament) | 4 |
| (f) दिगम्बर | 4 |
| (g) पुराण | 4 |
| (h) जन-जातिय धर्मों में बलि-प्रथा | 4 |
-